NP – 031

1

I Semester B.Sc. Examination, May 2022
(NEP) (2021-22 and Onwards)
HINDI
Katha, Alekhan Aur Sankshepan

Time : 2½ Hours Max. Marks : 60

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। (10×1=10)

1) अयोध्यानाथ के बेटे का नाम क्या है ?
2) जादूगार कहाँ जादू दिखा रहा था ?
3) 'झाँकी' पाठ का लेखक कौन है ?
4) सम्मेलन का उद्घाटन किसने किया ?
5) पुलिस अधिकारी कौन थी ?
6) राधाकृष्ण और कुन्ति की बेटी का नाम क्या है ?
7) साधु लाठी में कितने मुहरें लाया था ?
8) छोटा जादूगार से उसकी माँ ने क्या कहा ?
9) गौरी की शादी किससे हो जाती है ?
10) घुड़सवारी के लिए सरकारी रेट कितने रुपये था ?

II. किन्हीं दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (2×7=14)

1) 'मुझे ऋण चुकाना है। वह मुझपर नालिश करनेवाले है।'
2) 'बालक को आवश्यकता ने कितने शीघ्र चतुर बना दिया। वही तो संसार है।'
3) जी हो ! तुम ऐसे डाँट रहे हो, जैसे मुझे मोल लिये हो।

III. लालच में आकर मनुष्य, वर्तमान सुख से वंचित हो जाता है। 'सौदा' पाठ के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए। (1×16=16)

अथवा

जन्म, पुनर्जन्म के चक्कर में मनुष्य गलतियाँ करता ही रहता है – 'पुनर्जन्म' कहानी के आधार पर कथन स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

NP – 031

IV. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए । (1×5=5)

1) माँ मुझे भी स्कूल जाना है ।

2) झाँकी ।

V. किन्हीं **दो** का उत्तर लिखिए । (2×4=8)

1) आलेखन किसे कहते है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

2) टिप्पण का अर्थ उदाहरण सहित लिखिए ।

3) प्रतिवेदन की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।

VI. उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई में संक्षेपण कीजिए । (1×7=7)

विज्ञान शब्द की परिभाषा और क्षेत्र तथा इसकी प्रौद्योगिकी से भिन्नता के विषय में स्पष्ट ज्ञात होना आवश्यक है । कुछ शक्तिशाली व्यक्तियो में, जिनके पास मानव जाति के भविष्य की चाबी है, शायद विज्ञान ही केवल एक महत्वपूर्ण अनुपम स्थिति में बिना किसी आपत्ति के सबके द्वारा स्वीकार किया जाने वाला विषय है । आज विज्ञान से हमारा अर्थ हमारे विश्व और उसके परिवेश के मूल ज्ञान से, इसके सभी क्षेत्रों में ज्ञान की नियन्त्रित औय नियमित खोज से है, परन्तु इस ज्ञान का प्रयोग जरुरी नही कि सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए किया जाए । प्रौद्योगिकी में हम उन अनगिनत विधियों का उल्लेख करते हैं, जिससे विज्ञान को मानव सेवा के लिए प्रयुक्त किया जा सके । दोनों में स्पष्ट अंतर बताने के लिए आण्विक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के वर्तमान सर्वाधिक लोकप्रिय क्षेत्रों से उदाहरण दिए जा सकते है । यह प्रौद्योगिकी है जिसमें इस वैज्ञानिक 'ज्ञान' का प्रयोग बिजली बनाने के लिए परमाणु बिजलीघर की रुपरेखा बनाने में किया जाता है । विज्ञान तटस्थ और अनैतिक है और कभी भी नैतिक आचार या मानवीय कल्याण का विरोध नही कर सकता, यद्यपि एक वैज्ञानिक और तकनीशियन एक मानव होने के नाते इसका विरोध कर सकते हैं ।